रोजी-रोटी के अधिकार पर चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन

6-8 अगस्त, 2010

स्थान- मीरा भवन, राउरकेला, ओडिशा

प्रिय साथियों,

रोजी-रोटी अधिकार अभियान का संचालन समूह आपको और आपके संगठन को रोजी-रोटी के हक के मुद्दे पर चौथे राष्ट्रीय स म्मेलन में आमंत्रित करता है। इस सम्मेलन का आयोजन 6 से 8 अगस्त के दौरान ओडिशा में होगा।

मौजूदा हालातों को देखते हुए इस सम्मेलन की सार्थकता बहुत ज्यादा हो गई है, जहां एक ओर सरकार संसाधनों और जीविका पर जनता के नियंत्रण को तेजी से छिन रही है, वहीं दूसरी ओर सबको खाद्य सुरक्षा की गांरटी देने वाले राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून बनाने का वादा किया जा रहा है। भोजन की लगातार बढ़ती महंगाई और पिछले साल पूरे देश भर में सूखे की मार लोगों को गरीबी और भूखमरी की ओर धकेल रही है। भोजन के अधिकार में सर्वव्यापकता के सिद्धांत को तुरंत स्थापित करने की जरूरत है।

सबको भोजन का अधिकार तभी मिल सकता है जब जल, जंगल, जमीन का इस्तेमाल खाद्यन्न उत्पादन के अलावा दूसरे कामों में न हो और इन संसाधन पर जनता का नियंत्रण सुरक्षित रहे। सरकार पर दबाव बनाना होगा कि किसी भी व्यक्ति को भूखा न सोने देने के लिए प्रतिबद्ध हो। इसके अलावा, भारत जैसे देश में जहां कुपोषण का स्तर इतना अधिक है, खाद्य सुरक्षा का मतलब पोषण सुरक्षा होना चाहिए न कि सिर्फ लोगों को सस्ता अनाज मुहैया कराना भर।
इसी पृष्ठभूमि में हम भोजन के हक से जुड़े मुद्दों पर विमर्श करना चाहते हैं। यही हमारे अभियान का सरोकार है।

सम्मेलन में मु ≠ य मुद्दे होंगे–राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, बच्चों को भोजन का अधिकार, कृषि संकट, भोजन के अधिकार के संदर्भ में सामाजिक भेदभाव, कमजोर समूहों जैसे बुजुर्ग, विकलांग, विधवा, किसान आत्महत्याएं, भूमि उपयोग परिवर्तन की लाचारी, लोगों का विस्थापन और खाद्य सुरक्षा पर इसके प्रभाव, भोजन के हक के लिए कानूनी कार्रवाई और और रोटी–रोटी अधिकार अभियान संगठनात्मक पक्ष। यह एक कार्रवाई उन्मुख आयोजन होगा, जहां कई समांतर कार्यशालाएं, परिपूर्ण सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियां आदि होंगी।

सम्मेलन का प्रस्तावित एजेंड इस प्रकार है–

पहला दिनः खाद्य सुरक्षा और भूखमरी को तय करने संबंधी मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके बाद कृषि, विस्थापन, रोजगार, व्यापार नीति पर उप–समूहों बनाकर चर्चा होगी। खाद्य असुरक्षा को बढ़ावा देने बाकी नीतियों, कारकों और प्रक्रियाओं पर भी चर्चा होगी।

दूसरा दिनः सुबह का सत्र राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के नाम रहेगा जिसके बाद लोग अपने उप–समूहों में पात्रता, पीडीएस में कैश ट्रांसफर के विरोध, देश में ऐसी योजनाओं को लागू कराने के लिए संघर्ष से जुड़े अनुभव, लोगों को समाहित करने और बाहर छूट जाने संबंधी मुद्दों, सलाहकारों और कमिश्नरों की भूमिका, वैकल्पिक प्रक्रिया की स्थापना आदि पर कार्य करेंगे।

शाम का सत्र राष्ट्रीय अभियान की आम सभा के रूप में होगा जो 4 या 5 बजे शुरू होकर रात के भोजन तक चलेगा। राज्यों के अभियान अपने काम का ब्यौरा पेश करेंगे।

तीसरा दिन: सुबह– विस्थापन के खिलाफ संघर्ष को समर्थन देने और झगड़े वाले इलाकों में भोजन के अधिकार की प्राप्ति संबंधी मुद्दों को संबोधित किया जाएगा। दोपहर बाद: रैली और जनसभा

सम्मेलन पूर्व तैयारियां: कृपया इस राष्ट्रीय सम्मेलन में उपरोक्त मुद्दों पर जिला और राज्य स्तरीय सभाएं, कार्यशाला और स म्मेलन आयोजित करने पर विचार करें। इससे आयोजन में स्थानीय समूहों और जमीनी स्तर पर सक्रिय संगठनों की बेहतर भागीदारी में मदद होगी। शामिल होने वाले संगठन अपने अभियान से जुड़ी प्रचार सामग्री जैसे– रिपोर्ट्स, पोस्टर, प्रदर्शनियां आदि लाने के लिए भी आम ंत्रित हैं।

आयोजन स्थाल: ओड़िशा राज्य के राउरकेला शहर में इस सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इसमें भागीदारी करने वाले लोग अमर भवन में ठहरेंगे जो राउरकेला रेलवे स्टेशन से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर है। सभाएं मीरा भवन में होंगी जो रेलवे स्टेशन और अमर भवन दोनों से करीब 50 मीटर दूर है।

पंजीकरण शुल्क: हरेक सहभागी से रोजाना 50 रुपये यानी पूरे सम्मेलन के लिए 150 रुपये प ंजीकरण शुल्क के तौर देने की अपेक्षा है। इससे सहभागियों के खाने, ठहरने और सम्मलन किट की व्यवस्था होगी।

दान: अभियान आपकी ओर से दी जा सकने वाली किसी भी तरह की आर्थिक सहायता का स्वागत करता है। यह हमारे लिए काफी मददगार साबित होगी। सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी यात्रा की व्यवस्था खुद करेंगे। कृपया हमें अपनी भागीदारी के बारे में अग्रिम रूप से सूचित कर दें, इससे हमें सम्मेलन की तैयारियों में आसानी होगी।

आप से हमारी गुजारिश है कि सम्मेलन के आयोजन की इस जानकारी को आपने संगठन के भीतर और अन्य इच्छुक संगठनों और व्यक्तियों के साथ जरूर साझा करें। सम्मेलन की जानकारी संबंधी पत्र हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय अभियान संपर्क: रोजी–रोटी अधिकार अभियान सचिवालय, फोन: 011 26499563 मोबाइल: 09560923178 (दीपिका)
इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए लिखें– righttofood@gmail.com

अभियान की वेबसाइट www.righttofoodindia.org)
ओडीशा में संपर्क:

ओडिशा आयोजन समिति के संयोजक: श्री बिद्युत मोहंती
ईमेल bidyut.mohanty@gmail.com मोबाइल +९१-९४३७०२५३२६

ओडिशा सचिवालय: श्री सास्वत सौरव पांडा
ईमेल- saswatasouravapanda@gmail.com मोबाइल +९१-९४३८१४१०८१

राउरकेला में आयोजक: श्री अब्दुल कलाम आजाद
ईमेल- disharkl@yahoo.co.in मोबाइल - +९१-९४३७०४९३२९

तत्काल: सम्मेलन में भागीदारी की सूचना कृपया इन ईमेल पतों पर दें- righttofood@gmail.com
bidyut.mohanty@gmail.com
saswatasouravapanda@gmail.com

ओडिशा में मुलाकात की उम्मीद के साथ

रोजी-रोटी अधिकार अभियान का संचालन समूह

हम हैं,
एन्नी राजा- नेशनल फेडरेशन फॉर इंडियन वूमन्स, अनुराधा तलवार-न्यू ट्रेड यूनियन इनीशिएटिव, अरुण गुप्ता और राधा होल्ला-ब्रेस्ट फींडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया, अरुंधति धुरू और संदीप पांडे-नेशनल पीपुल्स मूवमेंट ऑफ इंडिया, अशोक भारती-नेशनल कांफ्रेंश ऑफ दलित आर्गनाइजेशन्स, अंजली भारद्वाज, अरुणा रॉय और निखिल डे- नेशनल कैंपेन फॉर पीपुल्स राइट टू इन्फोर्मेशन, आशा मिश्रा और विनोद रैना-भारत ज्ञान विज्ञान समिति, कॉलिन गॉन्शाल्वेस-ह्यूमन राइट्स लॉ नेटवर्क, जॉन द्रेज-इलाहबाद यूनिवर्सिटी, कविता श्रीवास्तव-पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिब्रटीज, मीरा शिवा और वंदना प्रसाद-जन स्वास्थ्य अभियान, पॉल दिवाकर-नेशनल कैंपेन फॉर दलित ह्यूमन राइट्स, सुभाष भटनागर-नेशनल कैंपेन कमेटी फॉर अनआर्गनाइज्ड सेक्टर वर्कर्स, वी.बी. रावत-सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन

अधिक जानकारी के लिए संपर्क:

कविता श्रीवास्तव- 09351562965, अथवा 01412594131
दीपा सिन्हा- 09560434777
दीपिका- 09560923178
सेजल पारिख ङ्क 09560266167
अब्दुल कलाम आजाद- ९४३७०४९३२९

सचिवालय- रोजी-रोटी अधिकार अभियान
द्वारा पीएचआरएन
5 ए, जुंगी हाउस,
शाहपुर जाट, नई दिल्ली- 110049
फोन- 011 26499563
ईमेल- righttofood@gmail.com

www.righttofoodindia.org